ये अव्यक्त इशारे

निर्मल और निर्मान बन विश्व नव-निर्माण करो

12-07-2023

कोई भी कर्म करते करावनहार बाप की स्मृति रहे तो हर कर्म में न्यारेपन, निरहंकारीपन और नम्रतापन के नव-निर्माण की श्रेष्ठता भरी हुई होगी। हर सेकेण्ड, हर संकल्प सम्पूर्ण पवित्र अर्थात् स्वच्छ होगा, जिसको सच्चाई और सफाई कहते हैं।

Be humble and construct the new world

While performing any action, have the awareness of the Karavanhar Father, then you will be detached, egoless and full of the greatness of world renewal in every action. Every second and every thought will be completely pure, that is, clean, which is referred to as honesty and cleanliness.